फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया

अमरोहा(विधान केसरी)। जेएस डिग्री कालेज में एक फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इन्वेस्टर्स समिट पर आयोजित कार्यक्रम में एनएसई के रजिस्टर्ड रिसोर्स पर्सन डा. मनीष टंडन ने फाइनेंशियल प्लानिंग के विषय में जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि हमें अपने इंवेस्टमेंट को एक जगह ना लगाकर विविधता रूप में करना चाहिए जिससे फाइनेंसियल रिस्क भी कम हो जाता है। इस तरह हम अपने और अपने राष्ट्र की इकॉनॉमी ग्रोथ में अपना योगदान दे सकते हैं। चीफ प्रॉक्टर डॉ. नवनीत विश्नोई ने कहा कि कालेज अपने बहुआयामी विकास के लिए प्रतिबद्ध है। फाइनेंसियल इंवेस्टमेंट बचत, विनिमय और लाभांश की एक क्रमबद्ध और सुसज्जित योजना है। इस दौरान प्राचार्य डा. वीर विरेन्द्र सिंह, निखिल दास, डा. हिमांशु शर्मा व डॉ. हरेंद्र कुमार डॉ. बबलू सिंह, डॉ. रश्मि गुप्ता, डॉ. आभा सिंह, डॉ. मनमोहन सिंह, डॉ. राजकिशोर शुक्ला, डॉ. गीतेश अग्रवाल, डॉ. ऋतुराज, डॉ. विशेष, डॉ. राजनलाल, डॉ. एनपी मौर्य, डॉ. अनुराग पाण्डेय, डॉ. पूनम, डॉ. शिवानी आदि मौजूद रहे।

स्वताभ भास्कर भी दोनों थाना ... पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। उन्होंने आक्रोशित कांवड़ियों को काफी देर तक समझाया और कड़ी कार्रवाई के आश्वासन पर कांवड़िये ... की ओर रवाना कर दिया।

हादसे ने खोली व्यवस्था की पोल, हसनपुर मार्ग पर पसरा अंधेरा

हसनपुर मार्ग पर हुए हादसे ने ... लगाई गई और न ही कोई अन्य इंतजाम है। जबकि जिलाधिकारी राजेश कुमार ने बैठक कर सभी कांवड़ कांवड़ मार्गों पर बेहतर व्यवस्था के निर्देश दिए थे।

विविधता रूप में करना चाहिए निवेश

अमरोहा : जेएस हिंदू डिग्री कालेज मैं सोमवार को इंवेस्टर्स समिट पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें एनएसई के रजिस्टर्ड रिसोर्स पर्स डा.मनीष टंडन ने छात्र-छात्राओं को फाइनेंशियल प्लानिंग के विषय में जानकारी दी। कहा कि हमें अपने इंन्वेस्टमेंट को एक जगह न लगाकर विविधता रूप में करना चाहिए। इससे फाइनेंसियल रिस्क भी कम हो जाता है। इस तरह हम अपने और राष्ट्र की इकोनामी ग्रोथ में योगदान दे सकते हैं। प्राचार्य प्रो. वीर वीरेंद्र सिंह ने कहा कि 'फाइनेंसियल लिट्रेसी' वर्तमान समय की मांग है। जिसके अभाव में शिक्षित सेवारत वर्ग भी अव्यवस्थित और अव्यवहारिक आर्थिक स्थिति में फंसकर नुकसान कर बैठते हैं।

...मांकन
...जारी

...न प्रदर्शित होने ...मिक व उच्च ...या है। सभी ...ए एक सप्ताह को विद्यालयों ...र्देश दिए हैं। ...ीय विद्यालयों अंकित करने

विस्तृत कृपया जाएँ।

अभिमन्यु डायमण्ड लगायें, फसलों से सोना उगायें।
विश्वास 24

रवाना किए

चौकसी भी बढ़ा दी गई है।

नहीं ले

हिन्दुस्तान

फाइनेंशियल लिट्रेसी वर्तमान समय की मांग : वीरेंद्र सिंह

अमरोहा। जेएस हिन्दू पीजी कालेज में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इंवेस्टर्स समिट पर आयोजित कार्यक्रम में बीकॉम ऑनर्स विभागाध्यक्ष व एनएसई के रजिस्टर्ड रिसोर्स पर्सन डा.मनीष टंडन ने फाइनेंशियल प्लानिंग की जानकारी दी। प्राचार्य प्रो.वीर वीरेंद्र सिंह ने कहा कि फाइनेंशियल लिट्रेसी वर्तमान समय की मांग है।चीफ प्रॉक्टर डा.नवनीत विश्नोई ने कहा कि महाविद्यालय अपने बहुआयामी विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इस दौरान निखिल दास, डा.बबलू सिंह, डा.रश्मि गुप्ता, डा.आभा सिंह, डा.मनमोहन सिंह, डा.राजकिशोर शुक्ला, डा.गीतेश अग्रवाल आदि रहे।

वर्तमान समय की मांग है फाइनेंसियल लिट्रेसी : डॉ0 वीर वीरेंद्र सिंह

खास बात

जेएस हिंदू कॉलेज में इन्वेस्टर्स समिट पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

आर्यावर्त केसरी ब्यूरो

अमरोहा। सोमवार को जेएस हिन्दू पीजी कॉलेज में एक फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इन्वेस्टर्स समिट पर आयोजित कार्यक्रम में महाविद्यालय में कार्यरत बीकॉम ऑनर्स विभाग के अध्यक्ष और एनएसई के रजिस्टर्ड रिसोर्स पर्सन डॉ0 मनीष टंडन ने बहुत विस्तार से फाइनेंशियल प्लानिंग के विषय में जानकारी प्रदान की।

उन्होंने बताया कि हमें अपने निवेश को एक जगह ना लगाकर विविधता रूप में करना चाहिए जिससे फाइनेंसियल रिस्क भी कम हो जाता है। इस तरह हम अपने

और अपने राष्ट्र की अर्थव्यवस्था विकास में अपना योगदान दे सकते हैं। आपने शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड, बीमा, पेंशन योजना, गोल्ड बॉन्ड आदि विषय के बारे में सविस्तार उत्कृष्ट और सूक्ष्म जानकारी दी।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 वीर वीरेंद्र सिंह ने कहा कि फाइनेंसियल लिट्रेसी वर्तमान समय की मांग है जिसके अभाव में शिक्षित सेवारत वर्ग भी अव्यवस्थित और अव्यवहारिक आर्थिक स्थिति में फंसकर नुकसान कर बैठते हैं।

प्रो0 मनन कौशल ने कहा कि महाविद्यालय इस तरह के समृद्धशाली कार्यक्रम आयोजित करके सम्पूर्ण विश्वविद्यालय में अपनी पहचान स्थापित कर चुका है। चीफ प्रॉक्टर डॉ0 नवनीत विश्नोई ने कहा कि महाविद्यालय अपने बहुआयामी विकास के लिए प्रतिबद्ध है। फाइनेंसियल इंवेस्टमेंट बचत, विनिमय और लाभांश की एक क्रमबद्ध और सुसज्जित योजना है। डॉ0 हिमांशु शर्मा और डॉ0 हरेंद्र कुमार ने विनिमय के रिस्क और सुरक्षा को लेकर प्रश्न पूछे। जिसका मुख्य वक्ता डॉ0 मनीष टंडन और विषय विशेषज्ञ प्राचार्य ने बड़े ही सारगर्भित एवं तार्किक तरीके से प्रत्युत्तर दिया। फाइनेंशियल समिट के इस आयोजन में महाविद्यालय परिवार से लगभग 50 प्राध्यापकों ने सहभागिता की और वर्तमान समय की मांग फाइनेंशियल जागरूकता के संबंध में अपना ज्ञानार्जन किया।

इस दौरान निखिल दास, डॉ0 बबलू सिंह, डॉ0 रश्मि गुप्ता, डॉ0 आभा सिंह, डॉ0 मनमोहन सिंह, डॉ0 राजकिशोर शुक्ला, डॉ0 गीतेश अग्रवाल, डॉ0 ऋतुराज, डॉ0 विशेष, डॉ0 राजनलाल, डॉ0 एनपी मौर्य, डॉ0 अनुराग पाण्डेय, डॉ0 जितेन्द्र, डॉ0 ज्ञानेश, डॉ0 मोहित शर्मा, डॉ0 सत्यप्रकाश परमार, डॉ0 पूनम, डॉ0 शिवानी आदि लोग मौजूद रहे।

वर्तमान समय की मांग है फाइनेंसियल लिट्रेसी : डॉ0 वीर वीरेंद्र सिंह

खास बात

जेएस हिंदू कॉलेज में इन्वेस्टर्स समिट पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

आर्यावर्त केसरी ब्यूरो

अमरोहा। सोमवार को जेएस हिन्दू पीजी कॉलेज में एक फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इन्वेस्टर्स समिट पर आयोजित कार्यक्रम में महाविद्यालय में कार्यरत बीकॉम ऑनर्स विभाग के अध्यक्ष और एनएसई के रजिस्टर्ड रिसोर्स पर्सन डॉ0 मनीष टंडन ने बहुत विस्तार से फाइनेंशियल प्लानिंग के विषय में जानकारी प्रदान की।

उन्होंने बताया कि हमें अपने निवेश को एक जगह ना लगाकर विविधता रूप में करना चाहिए जिससे फाइनेंसियल रिस्क भी कम हो जाता है। इस तरह हम अपने

और अपने राष्ट्र की अर्थव्यवस्था विकास में अपना योगदान दे सकते हैं। आपने शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड, बीमा, पेंशन योजना, गोल्ड बॉन्ड आदि विषय के बारे में सविस्तार उत्कृष्ट और सूक्ष्म जानकारी दी।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 वीर वीरेंद्र सिंह ने कहा कि फाइनेंसियल लिट्रेसी वर्तमान समय की मांग है जिसके अभाव में शिक्षित सेवारत वर्ग भी अव्यवस्थित और अव्यवहारिक आर्थिक स्थिति में फंसकर नुकसान कर बैठते हैं।

प्रो0 मनन कौशल ने कहा कि महाविद्यालय इस तरह के समृद्धशाली कार्यक्रम आयोजित करके सम्पूर्ण विश्वविद्यालय में अपनी पहचान स्थापित कर चुका है। चीफ प्रॉक्टर डॉ0 नवनीत विश्नोई ने कहा कि महाविद्यालय अपने बहुआयामी विकास के लिए प्रतिबद्ध है। फाइनेंसियल इंवेस्टमेंट बचत, विनिमय और लाभांश की एक क्रमबद्ध और सुसज्जित योजना है। डॉ0 हिमांशु शर्मा और डॉ0 हरेंद्र कुमार ने विनिमय के रिस्क और सुरक्षा को लेकर प्रश्न पूछे। जिसका मुख्य वक्ता डॉ0 मनीष टंडन और विषय विशेषज्ञ प्राचार्य ने बड़े ही सारगर्भित एवं तार्किक तरीके से प्रत्युत्तर दिया। फाइनेंशियल समिट के इस आयोजन में महाविद्यालय परिवार से लगभग 50 प्राध्यापकों ने सहभागिता की और वर्तमान समय की मांग फाइनेंशियल जागरूकता के संबंध में अपना ज्ञानार्जन किया।

इस दौरान निखिल दास, डॉ0 बबलू सिंह, डॉ0 रश्मि गुप्ता, डॉ0 आभा सिंह, डॉ0 मनमोहन सिंह, डॉ0 राजकिशोर शुक्ला, डॉ0 गीतेश अग्रवाल, डॉ0 ऋतुराज, डॉ0 विशेष, डॉ0 राजनलाल, डॉ0 एनपी मौर्य, डॉ0 अनुराग पाण्डेय, डॉ0 जितेन्द्र, डॉ0 ज्ञानेश, डॉ0 मोहित शर्मा, डॉ0 सत्यप्रकाश परमार, डॉ0 पूनम, डॉ0 शिवानी आदि लोग मौजूद रहे।

जगदीश सरन हिन्दू स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अमरोहा, उ.प्र.
NSE
स्मार्ट निवेशक जागरूकता कार्यक्रम
SMARTs Investor Awareness Program
J.S.H. (P.G.) COLLEGE
AMROHA

जगदीश सरन हिन्दू स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अमरोहा, उ.प्र.
NSE
स्मार्ट निवेशक जागरूकता कार्यक्रम
SMARTs Investor Awareness Program
J.S.H. (P.G.) COLLEGE
AMROHA

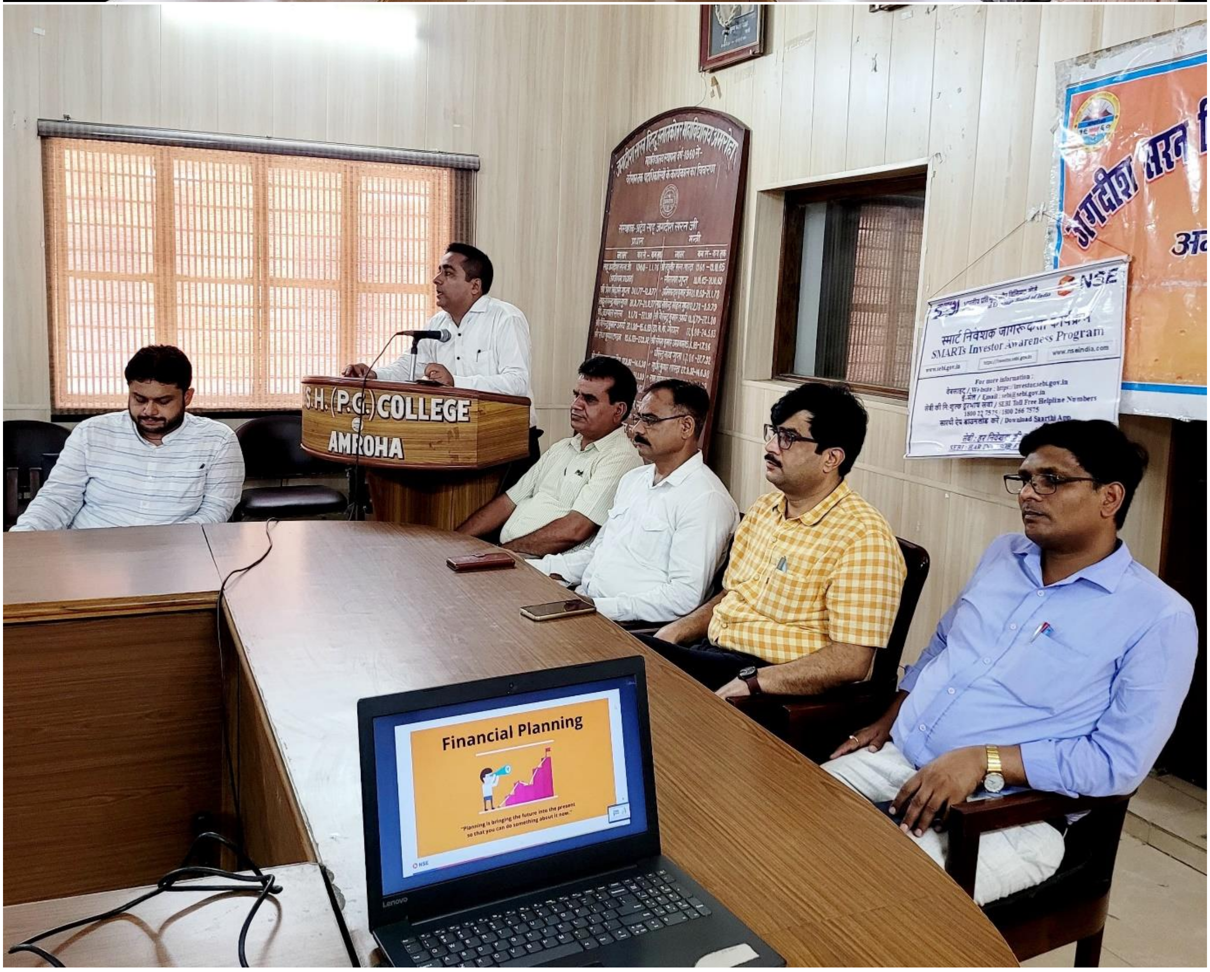
S.H. (P.G.) COLLEGE
AMROHA
NSE
SMARTs Investor Awareness Program
Financial Planning

जगदीश सरन हिन्दू स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अमरोहा, उ.प.
NSE
स्मार्ट निवेशक जागरूकता कार्यक्रम
SMARTs Investor Awareness Program
H. (P.G.) COLLEGE
AMROHA
Sutras

जगदीश सरन हिन्दू स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अमरोहा, उ.प.
NSE
स्मार्ट निवेशक जागरूकता कार्यक्रम
SMARTs Investor Awareness Program
H. (P.G.) COLLEGE
AMROHA
Sutras